



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 846]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 30, 2004/आश्विन 8, 1926

No. 846]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 30, 2004/ASVINA 8, 1926

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2004

आयकर

का.आ. 1074(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 139 की उपधारा (1ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित स्कीम को विनिर्दिष्ट करता है, अर्थात् :-

- संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागू होना - (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम आय की विवरणी इंटरनेट पर प्रस्तुत करना स्कीम 2004 है।
 (2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।
 (3) यह ऐसे किसी व्यष्टि को लागू होती है जिसको स्थायी लेखा सं० आवंटित किया गया है और जिसकी “वेतन” शीर्ष के अधीन आय है, किन्तु “कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ” शीर्ष के अधीन कोई आय नहीं है, जो इस स्कीम की अनुसूची ‘क’ में विनिर्दिष्ट नगरों में से किसी में कर के लिए निर्धारित किया गया है या निर्धार्य है;
- परिभाषाएँ - इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो -
 (क) “अधिनियम” से आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अभिप्रेत है;
 (ख) “बोर्ड” से केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम 1963 (1963 का 54) के अधीन गठित केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अभिप्रेत है;
 (ग) “अंकीय हस्ताक्षर” से कोई ऐसा अंकीय हस्ताक्षर अभिप्रेत है जो किसी प्रमाणन प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया हो, जो भारत के प्रमाणन प्राधिकारी नियंत्रक द्वारा ऐसे प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत है;

- (घ) “पात्र व्यक्ति” से ऐसा कोई व्यष्टि अभिप्रेत हैजिसको स्थायी लेखा सं० आवंटित किया गया है और जिसकी “वेतन” शीर्ष के अधीन आय है, किन्तु “कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ” शीर्ष के अधीन कोई आय नहीं है जो इस स्कीम की अनुसूची ‘क’ में विनिर्दिष्ट नगरों में से किसी में कर के लिए निर्धारित किया गया है या निर्धार्य है ;
- (ङ) “ई-विवरणी प्रशासक” से कोई ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है, जो आयकर आयुक्त की पंक्ति से नीचे का नहीं है, जिसे बोर्ड द्वारा इस स्कीम के प्रशासन के प्रयोजन के लिए पदाभिहित किया गया है ;
- (च) “इंटरनेट विवरणी” से इस स्कीम के अधीन प्रस्तुत किए गए अंकीय हस्ताक्षर के अधीन इलैक्ट्रॉनिक के रूप में पारेषित विवरणी के आंकड़े अभिप्रेत और उसके संलग्नक हैं ;
- (छ) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिमाणित हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अधिनियम में हैं ।
3. इंटरनेट पर विवरणियां फाइल करना - कोई पात्र व्यक्ति, अपने विकल्प पर इस स्कीम के अधीन अपनी आय की विवरणी जो निर्धारण वर्ष 2004-2005 और पश्चातवर्ती निर्धारण वर्ष के लिए अधिनियम की धारा 139 की उपधारा (1) के अधीन प्रस्तुत की जानी अपेक्षित है, आय की ऐसी विवरणी के फाइल करने की नियत तारीख को या उसके पूर्व प्रस्तुत कर सकेगा ।
4. आय की पुनरीक्षित विवरणी - कोई पात्र व्यक्ति यदि उसने इस स्कीम के अधीन उस निर्धारण वर्ष के लिए आय की विवरणी प्रस्तुत कर दी है तो वह अधिनियम की धारा 139 की उपधारा (5) के अधीन किसी निर्धारण वर्ष के लिए इस स्कीम के अधीन आय की पुनरीक्षित विवरणी प्रस्तुत कर सकेगा ।
5. इंटरनेट पर विवरणी फाइल करने की प्रक्रिया - (1) पात्र व्यक्ति स्वयं को बैंकसाइट पर इस प्रयोजन के लिए ई-विवरणी प्रशासक द्वारा अभिहित रूप में रजिस्टर कर सकेगा । रजिस्ट्रीकरण के पश्चात् पात्र व्यक्ति को एक उपयोक्ता पहचान सं० और एक पासवर्ड आवंटित किया जाएगा ।
- (2) पात्र व्यक्ति अपनी उपयोक्ता पहचान सं० पासवर्ड का उपयोग कर और अभिहित बैंकसाइट पर लाग अन करके और विनिर्दिष्ट इलैक्ट्रॉनिक फारमेट में अपनी आय की विवरणी तैयार करके, बैंकसाइट पर उपलब्ध प्राधिकृत विवरणी तैयार करने के साफ्टवेयर का उपयोग करके विवरणी फाइल करेगा । पात्र व्यक्ति-
- (i) बैंक खाते की विशिष्टियां भी देगा जिसमें अपना प्रतिदाय, यदि कोई हो, प्राप्त करने की इच्छा रखता है ; और
 - (ii) जारी करने वाले द्वारा सम्यक रूप से अंकीय हस्ताक्षरित इलैक्ट्रॉनिक रूप से स्रोत पर की गई कर की कटौती का प्रमाण पत्र भी संलग्न करेगा ।
- (3) पात्र व्यक्ति अपने अंकीय हस्ताक्षर का उपयोग करके अपनी आय की विवरणी और उसके संलग्नकों को हस्ताक्षरित करेगा ।
- (4) पात्र व्यक्ति बैंकसाइट पर उपलब्ध अनुदेशों के अनुसार आय की विवरणी उसके संलग्नकों और अनुलग्नकों सहित अपलोड (प्रस्तुत) करेगा ।
- (5) इस प्रकार फाइल की गई विवरणी को स्वीकार करने और ऐसी विवरणी को स्वीकार करने के लिए अभिस्वीकृति जारी करने से पूर्व स्वप्रमाणित विधिमान्य चैक जो ई-विवरणी प्रशासक द्वारा विनिश्चित किए जाए यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस प्रकार फाइल की गई विवरणी विधिमान्य विवरणी है, भुनाया जाएगा । ऐसे विधिमान्य चैकों में निम्नलिखित सम्मिलित हो सकेगा-

- (क) क्या स्थायी लेखा सं0 सही रूप से उद्वृत्त किया गया है ;
 (ख) क्या अंकीय हस्ताक्षर प्रति संहत/निर्लंबित किए गए हैं और विवरणी के प्राप्त करने के समय विधिमान्य है ;
 (ग) क्या स्रोत पर की गई कर की कठौती प्रमाण पत्र में दर्शित आय विवरणी में सही रूप से घोषित की गई है ; और
 (घ) क्या स्रोत पर की गई कर की कठौती के लिए प्रत्यय का सही रूप में विवरणी में दावा किया गया है ।

- (6) यदि कोई विधिमान्य चैक असफल होता है, तो कोई समुचित गलती संदेश उत्पन्न होगा और पात्र व्यक्ति को भेजा जाएगा । पात्र व्यक्ति गलती संदेश के आधार पर आंकड़े को सही करेगा और उपर्युक्तानुसार आय की विवरणी प्रस्तुत करेगा ।
- (7) सफलतापूर्वक विधिमान्यकरण के पश्चात् एक ऑनलाइन अभिस्वीकृति सं0, आय की विवरणी की फाइल करने की तारीख और समय, विवरणी की कुल आय, निर्धारण अधिकारी की विशिष्टियाँ देते हुए अभिस्वीकृति तैयार की जाएगी ।
- (8) ऑनलाइन अभिस्वीकृति के तैयार करने की तारीख, वह तारीख समझी जाएगी जिस तारीख को आय की विवरणी फाइल की जाती है ।

6. आय की प्रसंस्करण इंटरनेट विवरणी -

- (1) आय की इंटरनेट विवरणी पूर्विकता के आधार पर प्रसंस्कृत की जाएगी ।
 (2) निर्धारिति को देय प्रतिदाय यदि कोई हो, निर्धारण अधिकारी द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के इलेक्ट्रॉनिक निकासी सेवा (ईसीएस) का उपयोग करके उसके बैंक खाते में या तो सीधे ही जमा किया जाएगा या सीधे निर्धारिति को भेजा जाएगा ।

7. ई-विवरणी प्रशासक

ई-विवरणी प्रशासक अंकड़ा के सुरक्षित ग्रहण करने और पारेषण को सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया, फारमेट और मानकों को विनिर्दिष्ट करेगा और स्कीम के दिन प्रतिदिन के प्रशासन के लिए भी उत्तरदायी होगा ।

अनुसूची 'क' ✓

(पैरा1 का उप पैरा (3) देखें)

क्रम सं0	नगर	क्रम सं0	नगर
(1)	(2)	(1)	(2)
1.	आगरा	35.	मदुरैश्वर
2.	अहमदाबाद	36.	मेरठ
3.	इलाहाबाद	37.	मुम्बई
4.	अमृतसर	38.	मुजफ्फरपुर
5.	बंगलौर	39.	मैसूर
6.	बरेली	40.	नागपुर
7.	बड़ौदा	41.	नासिक

8.	भोपाल	42.	पणजी
9.	भुवनेश्वर	43.	पंचकुला
10.	बीकानेर	44.	पटियाला
11.	कालिकट	45.	पटना
12.	चडीगढ़	46.	पुणे
13.	चैनई	47.	रायपुर
14.	कोचिं	48.	राजकोट
15.	कोयम्बटूर	49.	रांची
16.	तिल्ली	50.	रोहतक
17.	धनबाद	51.	संभलपुर
18.	गढीनगर	52.	शिलांग
19.	थाणे	53.	शिमला
20.	गुवाहाटी	54.	सूरत
21.	गवालियर	55.	टिर्की
22.	हुबली	56.	त्रिवेन्द्रम
23.	हैदराबाद	57.	उदयपुर
24.	इंदूर	58.	वाराणसी
25.	जबलपुर	59.	विजयवाड़ा
26.	जयपुर	60.	विशाखापत्तनम
27.	जालंधर		
28.	जलपाईगुड़ी		
29.	जोधपुर		
30.	काशीपुर		
31.	कोल्हापुर		
32.	कोलकाता		
33.	लखनऊ		
34.	लुधियाना		

[अधिसूचना सं. 254/2004/फा. सं. 142/21/2004-टीपीएल]

शरत चंद्रा, निदेशक

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2004

INCOME-TAX

S.O. 1074(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1B) of section 139 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby specifies the following scheme, namely:-

1. **Short title, commencement and application.**—(1) This scheme may be called the Furnishing of Return of Income on Internet Scheme, 2004.
 (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

- (3) It applies to an individual who has been allotted Permanent Account Number and who has income under the head "Salaries" but does not have any income under the head "Profits and gains of business or profession", who is assessed or assessable to tax in any of the cities specified in Schedule 'A' of this scheme;

2. Definitions.- In this scheme, unless the context otherwise requires –

- (a) "Act" means the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961);
- (b) "Board" means the Central Board of Direct Taxes constituted under the Central Board of Revenues Act, 1963 (54 of 1963);
- (c) "digital signature" means a digital signature issued by any Certifying Authority, authorised to issue such certificates by the Controller of Certifying Authorities of India;
- (d) "eligible person" means an individual who has been allotted Permanent Account Number and who has income under the head 'Salaries' but does not have any income under the head "Profits and gains of business or profession", and who is assessed or assessable to tax in any of the cities specified in schedule 'A' of this scheme;
- (e) "e-Return Administrator" means an officer, not below the rank of the Commissioner of Income-tax, designated by the Board for the purpose of administration of this scheme;
- (f) "Internet return" means electronically transmitted data of return and its enclosures under digital signature, furnished under this scheme;
- (g) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Filing of returns on internet.- An eligible person may, at his option, furnish under this scheme his return of income which he is required to furnish under sub-section (1) of section 139 of the Act, for the assessment year 2004-2005 and any subsequent assessment year, on or before the due date for filing such return of income.

4. Revised Return of Income.- An eligible person may furnish under this scheme a revised return of income for any assessment year under sub-section (5) of section 139 of the Act if he has furnished a return of income for that assessment year under this scheme.

5. Procedure for filing return on internet.-- (1) The eligible person shall register himself on the website as designated by the e-Return Administrator for this purpose. On registration, the eligible person shall be allotted a user identification number and a password.

- (2) The eligible person shall, using his user identification number and password, logon to the designated website and prepare his return of income in the specified electronic format, using the authorised return preparation software provided on the website. The eligible person shall also –

2961G1/64-2

- (i) give particulars of the bank account in which he wishes to receive his refund, if any; and
 - (ii) attach electronically the Tax Deduction at Source certificate, if any, duly signed digitally by the issuer.
- (3) The eligible person shall sign his return of income and its enclosures, using his digital signature.
- (4) The eligible person shall upload (submit) the return of income alongwith its enclosures and attachments as per instructions available on the website.
- (5) Before accepting the return so filed and issuing the acknowledgement for accepting such return, automated validation checks as may be decided by the e-Return Administrator shall be carried out to ensure that the return so filed is a valid return. Such validation checks may include –
- (a) whether permanent account number has been correctly quoted;
 - (b) whether the digital signatures have not been revoked or suspended and are valid at the time of receipt of the return;
 - (c) whether the income shown in the tax deduction at source (TDS) certificate has been correctly declared in the return; and
 - (d) whether the credit for tax deduction at source (TDS) has been correctly claimed in the return.
- (6) In case any validation checks fail, an appropriate error message will be generated and sent to the eligible person. The eligible person shall correct the data on the basis of the error message and resubmit the return of income as above.
- (7) On successful validation an on-line acknowledgement would be generated giving the acknowledgement number, date and time of filing the return of income, total income returned, and the particulars of the assessing officer.
- (8) Date of generation of on-line acknowledgement shall be deemed to be the date of filing of return of income.

6. Processing internet return of income

- (1) The internet return of income shall be processed on priority basis.
- (2) The refund, if any, due to the assessee shall be either credited by the assessing officer directly to his bank account, using the Electronic Clearing Services (ECS) of the Reserve Bank of India or directly sent to the assessee.

7. e-Return Administrator

The e-Return Administrator shall specify the procedures, formats and standards for ensuring secure capture and transmission of data and will also be responsible for the day to day administration of the scheme.

Schedule 'A'
 (See Sub-Paragraph (3) of Paragraph 1)

Serial Number	City	Serial Number	City
(1)	(2)	(1)	(2)
1.	Agra	35.	Madurai
2.	Ahmedabad	36.	Meerut
3.	Allahabad	37.	Mumbai
4.	Amritsar	38.	Muzaffarpur
5.	Banglore	39.	Mysore
6.	Bareilly	40.	Nagpur
7.	Baroda	41.	Nashik
8.	Bhopal	42.	Panaji
9.	Bhubneshwar	43.	Panchkula
10.	Bikaner	44.	Patiala
11.	Calicut	45.	Patna
12.	Chandigarh	46.	Pune
13.	Chennai	47.	Raipur
14.	Cochin	48.	Rajkot
15.	Coimbatore	49.	Ranchi
16.	Delhi	50.	Rohtak
17.	Dhanbad	51.	Sambalpur
18.	Gandhinagar	52.	Shillong
19.	Thane	53.	Shimla
20.	Guwahati	54.	Surat
21.	Gwalior	55.	Trichy
22.	Hubli	56.	Trivandrum
23.	Hyderabad	57.	Udaipur
24.	Indore	58.	Varanasi
25.	Jabalpur	59.	Vijayawada
26.	Jaipur	60.	Vishakhapatnam
27.	Jalandhar		
28.	Jalpaiguri		
29.	Jodhpur		
30.	Kanpur		
31.	Kolhapur		
32.	Kolkata		
33.	Lucknow		
34.	Ludhiana		

[Notification No. 254/2004 /F. No. 142/21/2004-TPL]

SHARAT CHANDRA, Director